UG study material for Students of History

Subject : History

Class : UG Semester IV
Paper : MJC - VI

Topic : Reforms of Napoleon as first Councillor (प्रथम कॉन्सलर के रूप में नेपोलियन के सुधार) : I

By : Dr. Rajiv Nayan
Associate Professor,
Dept. of History,
Jagjiwan College, Ara.

Scanned by CamScanner

Page No.:
Date:

प्रथम कॉन्सलर के रूप में नेपोलियन के सुधार - I
(Reforms of Napoleon as First ~~Consul~~ Councillor) - I

अपनी स्थिति को सुस्थिर करने के उपरांत नेपोलियन ने अपना ध्यान आंतरिक पुनर्रचना पर केन्द्रित किया। इसमें उसने तुरंत फैसले और कार्रवाई की शैली अपनायी। उसी अचूक बारीकी तथा जरूरी चीजों पर ध्यान केंद्रीकरण को अपनाया, जिससे उसे विभिन्न युद्धों में सफलता हासिल हुई थी। जिन महान सुधारों के लिए उसने कानून बनाये; उनके पीछे सेनापति नेपोलियन की वही प्रतिभा थी जो राजनेता नेपोलियन में सक्रिय थी। वस्तुतः, आन्तरिक क्षेत्र में सुधार लाकर वह क्रांति के लाभों को स्थिर और स्थायी बना सकता था तथा इस प्रकार वह पूरे राष्ट्र का समर्थन पा सकता था। वह चिरस्थायी महत्व के कुछ काम करना चाहता था, ताकि फ्रांस की भावी पीढ़ियाँ आदर के साथ उसे याद करें।

आर्थिक क्षेत्र में सुधार

प्रथम कॉन्सल बनते ही उसने अपने सुधारों का विस्तृत कार्यक्रम शुरू किया। सर्वप्रथम उसने देश की शोचनीय आर्थिक दशा की ओर ध्यान दिया। निरंतर युद्धों और विद्रोहों के फलस्वरूप देश

Scanned by CamScanner

का आर्थिक जीवन लगभग बर्बाद हो चुका था। नियमित रूप से कर वसूलने के लिए सरकारी पदाधिकारी नियुक्त किये गये। इससे राज्य और करदाताओं, दोनों को लाभ पहुँचा और राज्य की आर्थिक दशा बहुत हद तक सुधर गयी। उसने ठेकेदारों के अनुचित मुनाफों का अन्त किया, सट्टेबाजी रोकी और स्टॉक एक्सचेंज पर नियंत्रण किया। खर्च करने के तरीकों में भी सुधार किया गया। नेपोलियन ने वित्तीय गतिविधियों को संचालित करने के लिए 'बैंक ऑफ फ्रांस' की स्थापना की। यह बैंक आज भी फ्रांस में विद्यमान है और यह नेपोलियन की एक स्थायी देन है।

नेपोलियन ने कामगार वर्ग की कृतज्ञता हासिल करने के उद्देश्य से बेरोजगारी की समस्या के समाधान का प्रयास किया। नयी नहरें खोदी गयीं, सड़कों को विस्तृत किया गया, गलियों की मरम्मत की गयी और पेरिस को एक सुन्दर और शानदार नगर बनाने के लिए कई कार्य किये गये। इन कार्यों से बहुत सारे लोगों को रोजगार मिला। इस प्रकार, नेपोलियन ने अल्प अवधि में ही देश के आर्थिक जीवन का कायाकल्प कर दिया।

नेपोलियन 1802 ई० के बजट को संतुलित रखने में सफल रहा। उसने सरकारी खर्च में कटौती करने तथा सभी राजस्व का किफायतदारी से प्रयोग

Scanned by CamScanner

Page No.:
Date:

करने का जोरदार प्रयास किया। जल्द ही राष्ट्रीय साख पुनः कायम हो गयी और फ्रांस ने अभूतपूर्व सुस्थिरता का अनुभव किया। लेकिन, 1803 ई० में युद्ध के पुनः उद्भव ने भारी वित्तीय कठिनाई उत्पन्न की। फिर भी, नेपोलियन ने अपने व्यक्तिगत नियंत्रण में एक विशेष निधि स्थापित कर उस कठिनाई से निजात पा लिया। ~~इसको~~ इसे 'Extra-ordinary domain' (असाधारण अधिकार क्षेत्र) कहा जाता था। इसमें विजित देशों से प्राप्त मुआवजा राशि तथा अधीन राज्यों से मिले नजराने संचित होते थे। नये अभियानों का खर्च इसी विशेष निधि से किया जाता था। इस तरह, युद्ध की लागत शत्रु पर पड़ती थी और फ्रांसीसी अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त सैन्य-आर्थिक बोझ नहीं पड़ता था। लगातार चलने वाले युद्धों के लिए वित्त जुटाने का यह अत्यंत सक्षम जरिया सिद्ध हुआ।

इनके अतिरिक्त, नेपोलियन ने कराधान के लिए जमीन का पुनर्मूल्यांकन कराया तथा नमक, शराब तथा सिगार पर पुनः परोक्ष कर लगाये। उसने केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त एवं नियंत्रित अधिकारियों का एक नया निकाय स्थापित किया, जो कर वसूलता एवं उसे राजकोष में जमा करता था।

Scanned by CamScanner